

Shri Vedprakash Thakur, currently working as Scientist-C in national Center for Seismology (NCS), Ministry of Earth Sciences (MoES). He has 15 years of working experience in the field of Applied Geology (Mining Planning), Geophysical field in Oil & Gas Exploration (2-D and 3-D seismic survey along with Seismic data Processing) and Seismology. He is completed Post Graduation degree M.Sc. (Geology) from Dr. Hari Singh Gaur University, Sagar, (M.P.) in 2006. He is done on field Geological training for “Geologist” from Manganese Ore India Limited (MOIL) Govt. of India Undertaking, Balaghat (M.P.) which is largest and deepest Manganese Ore mine in Asia. He has experienced in work of Mining and Planning and environmental aspect in respect of Indian Bureau of Mines (IBM), Ministry of Mines, GOI.

He is perusing his Ph.D. in Seismology from Department of Geophysics, Banaras Hindu University (BHU), Varanasi (UP) on the topic “Source modeling of recent large Earthquakes occurred in North-West Himalaya region and their tectonic appliance”.

Shri Vedprakash Thakur joined India Meteorological Department (IMD), Ministry of Earth Sciences, (GOI), New Delhi as Scientist-B by qualifying UPSC in year 2015. Since than he is posted in HQ of National Center for Seismology (NCS), Ministry of Earth Sciences, New Delhi and as scientist he is involved in seismological Research and 24x7 operational duties of Earthquake Monitoring, real time seismic data analyses of occurred earthquakes, preparation of report of significant earthquakes all around the Nation and other countries. Apart from these he has also involved in site selection and installation of seismic instruments in part enhancement of National Seismological Network (NSN) within the states of country.

श्री वेदप्रकाश ठाकुर वर्तमान में वैज्ञानिक -सी के पद पर राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली में कार्यरत है। अपने 15 वर्ष के कार्य अनुभव में उन्होंने व्यावहारिक भू-विज्ञान में (खनन योजना), भू-भौतिकीय क्षेत्र में तेल एवं गैस के उखनन हेतु 2D व 3D सेस्मिक सर्वे के साथ भूकंपीय डाटा प्रोसेसिंग एवं भूकंप विज्ञान में अविरत कार्य किया। उन्होंने विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि “भू-विज्ञान” विषय से डा. हरीसिंग गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) से वर्ष 2006 में उत्तीर्ण की। उन्होंने भू-विज्ञानी का प्रशिक्षण मेंगनीज़ और इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार के अधीन उपक्रम), बालाघाट (मध्य प्रदेश) से प्राप्त की जो कि एशिया महाद्वीप में मेंगनीज़ अयस्क की एक बड़ी एवं गहरी खान है। इन्हें भारतीय खान निषेधालय, खान मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा निर्धारित नियम एवं उप-नियमों के अंतरगर्त किए जाने वाले “खनन एवं योजना” का कार्य अनुभव प्राप्त है।

ये भू-भौतिकीय विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस (उ.प्र.) से भूकंप विज्ञान में पी. एच. डी. अध्येता के रूप में शोध विषय “हाल ही में उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र में आये भूकंप के स्त्रोत मॉडलिंग और उनके विवर्तनिक अध्ययन” में अध्यनरत है।

श्री वेदप्रकाश ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चयनित होकर वर्ष 2015 में भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली में बतौर वैज्ञानिक-बी पर नियुक्त हुये एवं तब से ही मुख्यालय राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली में पदस्थ है एवं वैज्ञानिक के रूप में यह भूकंप विज्ञान में अपने शोध कार्य के साथ कार्यालय के भूकंपीय निगरानी केंद्र में 24x7 आधारित प्रचालन कार्य का निर्वहन, वास्तविक समय भूकंपीय डाटा का विश्लेषण, देश एवं नजदीकी अन्य देश में आये बड़े पैमाने में जनित भूकंप की रिपोर्ट तैयार करना, बुलेटिन आदि तैयार करना आदि कार्य में कार्यरत है। उपरोक्त कार्य के अलावा राष्ट्र एवं विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय भूकंपीय संजाल (नेटवर्क) के अधिक प्रसार हेतु उचित साइट/स्थल का चुनाव एवं भूकंपीय यंत्रों के स्थापना आदि कार्य में शामिल है।